# श्रेष्ठ कार्य में हो शक्ति का नियोजन : आचार्य महाश्रमण

**सरदारशहर 19 सितम्बर, 2010**

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि जो कार्य करने में दक्ष होता है वह कार्य को सफलता तक पहुंचा सकता है, जो श्रेयस्कर हो, श्रेष्ठ हो, उसी कार्य में अपनी शक्ति का नियोजन करना चाहिए।

उक्त विचार उन्होंने तेरापंथ भवन में नित्य प्रवचन कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि समय की अल्पता होती है, ऐसी स्थिति में सारभूत कार्य ही करना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ श्रावक कन्हैयालाल छाजेड़ के 75 वर्ष पूर्ण करने पर कहा कि कन्हैयालालजी ने शासन की खूब सेवा की है। इनकी सूझबूझ से अनेक महत्वपूर्ण कार्य सज़्पन्न हुए हैं। आज इस अवसर पर मैं अनको संघसेवी संबोधन से संबोधित करता हूं।

आचार्य महाश्रमण ने इस मौके पर डॉ. कुसुम लूणिया द्वारा कन्या भ्रूण हत्या विषयक नाटक की कृति 'ऊंची उड़ान' का लोकार्पण करते हुए लेखिका को उत्तरोत्तर विकास करने का आशीर्वाद प्रदान किया। प्रस्तुत पुस्तक राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित है। इससे पूर्व कृति के सन्दर्भ में डॉ. कुसुम लुणिया, धनपत लूणिया, अशोक संचेती ने विचार रखे। कन्हैयालाल छाजेड़ ने 75 वर्ष की पूर्णता पर आशीर्वाद मांगा। अणुव्रत विश्व भारती अध्यक्ष तेजकरण सुराणा, मंत्री संचय जैन, मोहनभाई राजसमंद में प्रज्ञाशिखर पर एक कार्यक्रम प्रदान करने की अर्ज की। जिस पर आचार्य महाश्रमण ने 14 मई, 2011 को कार्यक्रम करने की स्वीकृति प्रदान की।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)